राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, राजसमन्द

(AICTE से मान्यता प्राप्त एवं BTER से सम्बद्ध)

राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, राजसमन्द राजस्थान के लोकप्रिय महाविद्यालयों में से एक है। यह महाविद्यालय राजस्थान में एक बेहतरीन अकादमिक ट्रैक रिकार्ड के साथ टॉप रेटेड महाविद्यालयों में गिना जाता है। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय राजसमन्द की स्थापना वर्ष 2006 में हुई थी। यह संस्थान राजसमन्द कलेक्ट्रेट से 5 किमी. की दूरी पर उदयपुर की ओर NH-8 पर स्थित है। वर्तमान में इस संस्थान में तीन शाखाओं (इलेक्ट्रोनिक्स, इलेक्ट्रीकल एवं कम्प्यूटर साईन्स व इंजीनियरिंग) में डिप्लोमा, जो कि तीन-वर्षीय पाठ्यक्रम है, संचालित हैं, जिनमें प्रत्येक शाखा की प्रवेश क्षमता 40 है।

विजन और मिशन

तीन साल के लिए सिद्धांत, डिजाईन, ड्रॉइंग और व्यावहारिक कौशल में प्रशिक्षण देकर उद्योगों के लिए आवश्यक कुशल श्रमशक्तितैयार करने हेतु संस्थान की स्थापना की गई है। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, राजसमन्द में विभिन्न शाखाओं मे छात्रों को ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए कई प्रकार की शिक्षण तकनीकें उपयोग में ली जाती है।

Contact Us :

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, NH-8
गाँव-जावद, राजसमन्द -313324, राजस्थान

For Admission and other query contact :

HOD (CS) : 9413662781
HOD (EE) : 9414388987
HOD (EL) : 9511590040

E-mail : gpc.rajsamand@rajasthan.gov.in
Website : https://hte.rajasthan.gov.in/college/gpcrajsamand

प्राचार्य संदेश

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, राजसमन्द,राजस्थान के प्रमुख पॉलिटेक्निक संस्थानो मे से एक है और यह अपने गुणात्मक डिप्लोमा इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए जाना जाता है। यहां कैरियर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों के लिए अवसरों की संख्या प्रदान करने वाले कैरियर ओरिएन्टेड कोर्सों की पूर्ति के लिए तीन विभाग हैं। इसमे बहुत अच्छा बुनियादी ढांचा, संकाय सदस्य, तकनीशियन एवं कर्मचारी हैं । हमारा मिशन ऊर्जावान, उत्साही टेक्नोक्रेट तैयार करना है, जो हमारे राष्ट्र की सेवा कर सके। हमारे शिक्षण संस्थान के माध्यम से, हमारा प्रयास है कि जाति, संप्रदाय और धार्मिक भेदभाव के बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित हो। मैं सभी छात्रों को शुभकामना देता हूँ कि राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, राजसमन्द में उपयोगी शिक्षा प्राप्त कर सफल कैरियर बनावें।

डूंगर नाथ चौहान
(प्राचार्य)

छात्रवृत्ति

महाविद्यालय में राज्य सरकार, केन्द्र सरकार एवं विभिन्न सगंठन व उद्योगों द्वारा इस स्तर के तकनीकी शिक्षा के छात्रों को दी जाने वाली सभी तरह की छात्रवृत्तियां उपयुक्त पात्रता के आधार पर प्रदान की जाती हैं। इनमें से प्रमुख निम्नानुसार है :

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति, विशेष पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिये उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना।
- राज्य सरकार निर्माण श्रमिक शिक्षा एवं कौशल विकास योजना।
- अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना (जैन, बौद्ध, पारसी, सिख, मुस्लिम विद्यार्थियों के लिये)
- AICTE द्वारा छात्राओं के लिये प्रगति योजना।
- AICTE द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये सक्षम योजना।
- NSDL द्वारा विभिन्न औद्योगिक संस्थाओं के सहयोग से विद्यासारथी छात्रवृत्ति योजना।

सत्र 2018-19 व 2019-20 में विभिन्न योजनाओं में संस्थान के लाभार्थी विद्यार्थियों की जानकारी-

सत्र	ST	SC	OBC	EBC	Minority
2018-19	07	20	10	01	0
2019-20	01	14	-	03	2

संस्थान में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं

स्मार्ट क्लास रूम	छात्राओं के लिए अलग से गर्ल्स कॉमन रूम और बाथरूम की सुविधा	सम्पूर्ण परिसर में सी. सी. टी. वी. कैमरे और प्रिसिंपल चैम्बर में मॉनिटरिंग यूनिट	दो आउटडोर खेल मैदान
स्मार्ट लैब्स	लैब उपकरणों का नवीनीकरण और मरम्मत की सुविधा	वाई - फाई सुविधा के साथ व्यवस्थित इन्टरनेट कनेक्टिविटी	सम्पूर्ण परिसर व प्रयोगशालाओं में पर्याप्त अग्निशामक यंत्रो की व्यवस्था
ICT लैब	स्वच्छ आर ओ/ फिल्टर पेयजल की सुविधा	ई - लर्निंग सॉफ्टवेयर की व्यवस्था	दिव्यांगो के लिये संस्थान के सम्पूर्ण परिसर तक पहुंच के लिए सुविधाजनक रैम्प एवं व्हील चेयर

इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा इंडक्टर्स, सेमीकंडक्टर डिवाइस, इलेक्ट्रोन ट्यूब, डायोड, कैपेसिटर, रजिस्टर्स और IC's के डिजाइन और परीक्षण पर केंद्रित है। इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग इलेक्ट्रोनिक उपकरणों, घटको और परिपथ के अध्ययन और डिजाईन से संबधित है। इस पाठ्यक्रम में छात्र इलेक्ट्रोनिक परिपथ, कम्प्यूटर सिस्टम, बिजली के तारों को डिजाईन करना सीखेंगे और नियंत्रण प्रणाली भी विकसित करेंगे।

डिजिटल इलेक्ट्रोनिक्स लैब

इलेक्ट्रोनिक वर्कशॉप

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग की यह शाखा बिजली, विद्युत प्रणालियों और उपकरणों के उत्पादन और प्रसारण जैसे विषयों पर केन्द्रित है। विद्युत उपकरणों, बिजली संयंत्रों और प्रणालियों के डिजाईन, विकास और रखरखाव का इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में अध्ययन किया जाता है

इलेक्ट्रिकल मशीन लैब

इलेक्ट्रिकल वर्कशॉप

कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग की इस शाखा के कुछ महत्वपूर्ण विषयों में माइक्रोकन्ट्रोलर, माइक्रोप्रोसेसर, सॉफ्टवेयर विकास, परिपथ डिजाईन, हार्डवेयर और नेटवर्किंग शामिल है। कम्प्यूटर लैब में स्थित आधुनिकतम हार्डवेयर और सोफ्टवेयर छात्रों को सभी प्रकार की नवीनतम तकनीक से रूबरू करवाते हैं। कम्प्यूटर इंजीनियर के मुख्य कार्यो में कम्प्यूटर सिस्टम की डिजाईनिंग, प्रोग्रामिंग, टेस्टिंग और पर्यवेक्षण सम्मिलित है।

एडवांस कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग लैब

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग लैब

ब्रांच विवरण

साइबर फोरेंसिक एंड इनफार्मेशन सिक्यूरिटी

साइबर फोरेंसिक या कंप्यूटर फोरेंसिक एक ऐसी तकनीक है जो आपराधिक साक्ष्य निर्धारित करने में अत्यधिक उपयोगी है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक डेटा भंडारण निष्कर्षण शामिल है। साइबर अपराधों में साइबर फोरेंसिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सूचना सुरक्षा अनधिकृत पहुंच और उपयोग को रोकने का एक तरीका है। इसमें ऐसी जानकारी शामिल है जो सोशल मीडिया प्रोफाइल, मोबाइल फोन डेटा या बायोमेट्रिक्स हो सकती है।

एक साइबर फोरेंसिक और सूचना सुरक्षा विशेषज्ञ साइबर क्राइम के सभी संभावित सबूतों का पता लगाने, और जानकारी के सुरक्षा उपायों को विकसित करने और कार्यान्वित करने में संबंधित है।

इलेक्ट्रॉनिक्स(रोबोटिक्स)

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग में रोबोट की डिजाइनिंग,निर्माण और उसकी संचालन तकनीक पर काम किया जाता है। इस फील्ड में स्टूडेंट को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर एडेड मैन्यूफैक्चरिंग, कंप्यूटर इंटिग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग सिस्टम, कंप्यूटर ज्योमेट्री, रोबोट मोशन प्लानिंग, डिजीटल इलेक्ट्रॉनिक्स और माइक्रो प्रोसेसिंग में ट्रेन किया जाता है।

रोबोट के संचालन के लिए एक कंप्यूटरीकृत नियंत्रण तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है, जो सेंसर और इंफॉर्मेशन प्रोसेसर के तालमेल पर आधारित होता है।

कंप्यूटर आधारित यह तकनीक जितनी उन्नत होगी, रोबोट की कार्यक्षमता उतनी ही ज्यादा होगी। रोबोट, रक्षा संबंधी गतिविधियों,चिकित्सकीय कार्यों और व्यावसायिक जरूरतों में इस्तेमाल किया जाता है।

सीट मैट्रिक्स

ब्रांच	प्रवेश क्षमता
इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग	30
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	40
कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	30
साइबर फोरेंसिक एंड इनफार्मेशन सिक्यूरिटी	30
इलेक्ट्रॉनिक्स(रोबोटिक्स)	30

ट्रेनिंग & प्लेसमेन्ट

संस्थान में अध्ययनरत एवं उत्तीर्ण छात्रों के ट्रेनिंग और प्लेसमेन्ट के लिये अलग से III Cell कार्यरत है। जिसके अन्तर्गत छात्रों को ट्रेनिंग एवं विभिन्न राजकीय उपक्रम, निजी कम्पनियों एवं उद्योगों में रोजगार सम्बंधी जानकारी एवं प्लेसमेन्ट के लिये सहयोग प्रदान किया जाता है। संस्थान से पूर्व में उत्तीर्ण छात्र विभिन्न कंपनियों और केंद्र व राज्य सरकारों में अपने तकनीकी कौशल को साबित कर रहे हैं। उन्हे अधिकम 43,000/- प्रतिमाह वेतन मिल रहा है। प्रतिष्ठित कंपनियों और विभागों की सूची बहुत बड़ी है लेकिन उनमें से कुछ इस प्रकार हैं :

AVVNL , Rajasthan, Indian Railway (JEN, LP, ALP), Sigma Electrical Manufacturing Pvt. Ltd Jaipur, Indian Air Force, Paytm, J.K. Tyre, Kankroli, Oppo Mobile Pvt. Ltd, DRDO, Secure Meter, Udaipur, etc.

अन्य बिन्दुः-

1. 10वीं के बाद डिप्लोमा करने पर यह माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 12वीं के समतुल्य होता है। 2. डिप्लोमा कोर्स करने के बाद **B.Tech.** में सम्बंधित ब्रांच में सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार विधार्थी 10वीं के पश्चात् कुल 6 वर्षो में डिप्लोमा, बी. टेक. की डिग्री प्राप्त कर सकता है :

प्रवेश प्रक्रिया

डिप्लोमा इन्जीनियरिंग में प्रवेश प्रक्रिया :-

प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु :-

(i) आवेदन करनाः डिप्लोमा इन्जीनियरिंग पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी को राजस्थान हायर एज्युकेशन पोर्टल hte.rajasthan.gov.in के home Page में admission Tab में Department of Technical Education में Polytechnic Admission पर आवेदन हेतु निर्धारित शुल्क 300 रूपये जमा करवाकर ऑन लाईन ही आवेदन करना होता है।

(ii) प्रवेश के लिये न्यूनतम शैक्षणिक योग्यताः अभ्यर्थी राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा में (विज्ञान एवं गणित विषयों में अलग-अलग उत्तीर्ण होते हुए) न्यूनतम 35 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।

(iii) आयु सीमाः प्रवेश हेतु अभ्यर्थी की कोई आयु सीमा नहीं है।

(iv) योग्यता सूची अभ्यर्थी द्वारा माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा में प्राप्त कुल अंकों के प्रतिशत के आधार पर बनाई जाती है ।

द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु (पार्श्व प्रवेश प्रक्रिया) :-

प्रवेश के लिये न्यूनतम योग्यताएं : प्रवेश हेतु अभ्यर्थी निम्न परीक्षाओं में से किसी एक में उत्तीर्ण होना आवश्यक है **Diploma Engineering / 12th Science(PCM)/ Vocational/Technical / 10+(2 year ITI) with appropriate specialisation** (दसवीं कक्षा उत्तीर्ण ऐसे अभ्यर्थी जो राष्ट्रीय/राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (**NCVT/SCVT**) से सम्बद्धता प्राप्त दो वर्षीय इंजीनियरिंग व्यवसायों में आई.टी.आई. या राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण पत्र धारक या सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स अथवा समकक्ष हो।

नोट - उपरोक्त सभी नियम एवं ब्रांच / ब्रांच प्रवेश क्षमता राज्य सरकार द्वारा परिवर्तनीय है।